RashiKundli

मूल जन्म कुंडली

निःशुल्क कुंडली PDF

Asha Kulkarni

स्विस एफेमेरिस से गणना की गई

जन्म तिथि **14 मई 1990**	जन्म समय **07:30**
जन्म स्थान **Pune**	अक्षांश-रेखांश **18.5196° N, 73.8554° E**
समय क्षेत्र **Asia/Kolkata**	

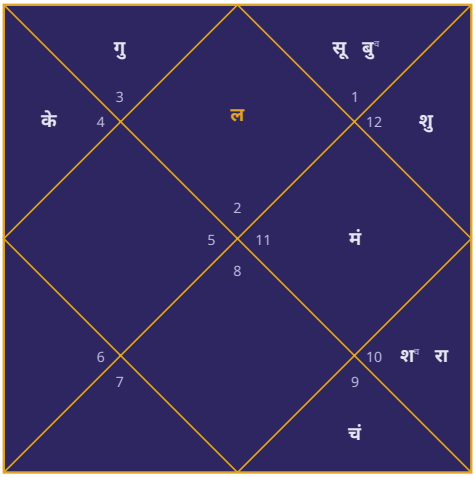
लग्न	राशि (चंद्र राशि)	जन्म नक्षत्र
वृषभ	**धनु**	**पूर्वाषाढा**
20°59'37"	स्वामी: गुरु	चरण 1 · स्वामी: शुक्र

यह कुंडली कैसे बनी

आपके जन्म विवरण से ग्रहों की सटीक स्थिति स्विस एफेमेरिस से निकाली गई है - वही खगोलीय गणना लाइब्रेरी जिस पर दुनिया भर की वेधशालाएँ और पेशेवर ज्योतिषी भरोसा करते हैं। यहाँ की हर तिथि, हर दशा अवधि और हर दोष की स्थिति सीधे उसी गणना से आती है, अनुमान से नहीं।

इस कुंडली में कुछ भी AI ने नहीं लिखा है। इसमें फलादेश है ही नहीं: हर पंक्ति या तो गणना का मान है या उसका शीर्षक।

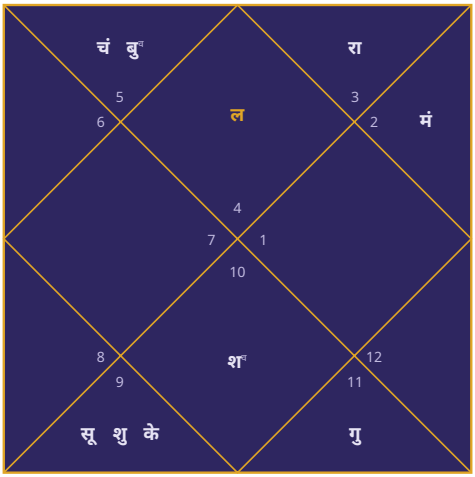
लग्न कुंडली (उत्तर भारतीय शैली)



ल लग्न **सू** सूर्य **चं** चंद्र **मं** मंगल **बु** बुध **गु** गुरु **शु** शुक्र **श** शनि **रा** राहु **के** केतु **R** वक्री

हर भाव में लिखा अंक राशि का क्रमांक है (1 = मेष … 12 = मीन)। ऊपर बीच का चतुर्भुज पहला भाव है; भाव घड़ी की उलटी दिशा में गिने जाते हैं।

नवांश कुंडली (D9)



ल लग्न **सू** सूर्य **चं** चंद्र **मं** मंगल **बु** बुध **गु** गुरु **शु** शुक्र **श** शनि **रा** राहु **के** केतु **R** वक्री

नवांश (D9) राशिचक्र का नौवाँ विभाग है। परंपरा में ग्रह के बल के लिए तथा विवाह और उत्तर जीवन के लिए इसे लग्न कुंडली के साथ देखा जाता है।

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	भाव	वक्री	अस्त
लग्न	वृषभ	20°59'37"	रोहिणी	4	1	–	–
सूर्य	मेष	29°18'14"	कृत्तिका	1	12	नहीं	–
चंद्र	धनु	16°08'03"	पूर्वाषाढा	1	8	नहीं	नहीं
मंगल	कुंभ	23°33'20"	पूर्वा भाद्रपदा	2	10	नहीं	नहीं
बुध	मेष	14°31'54"	भरणी	1	12	हाँ	नहीं
गुरु	मिथुन	15°32'57"	आर्द्रा	3	2	नहीं	नहीं
शुक्र	मीन	17°28'42"	रेवती	1	11	नहीं	नहीं
शनि	मकर	1°32'45"	उत्तराषाढा	2	9	हाँ	नहीं
राहु	मकर	17°41'18"	श्रवण	3	9	सदैव	–
केतु	कर्क	17°41'18"	आश्लेषा	1	3	सदैव	–

"अस्त" का अर्थ है ग्रह सूर्य के बहुत निकट है; कुछ समय के लिए उसके फल मंद माने जाते हैं।

वर्गोत्तम (D1 और D9 में एक ही राशि): शनि

मंगल दोष की स्थिति

मंगल दोष है, पर उसे कम करने वाले कारक मौजूद हैं

तीव्रता
कम

मंगल
कुंभ
23°33'20" · पूर्वा भाद्रपदा · दसवाँ भाव

लग्न
वृषभ

राशि (चंद्र राशि)
धनु

कुंडली में मंगल कहाँ है

कहाँ से गिना	मंगल का भाव	दोष माना जाता है?
लग्न से	दसवाँ भाव	नहीं
चंद्र से	तीसरा भाव	नहीं
शुक्र से	बारहवाँ भाव	**हाँ**

नियम: लग्न, चंद्र और शुक्र से गिनने पर मंगल का पहले, दूसरे, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में होना (संपूर्ण-राशि भाव)।

साढ़े साती की स्थिति

अभी साढ़े साती नहीं है

चंद्र राशि
धनु

शनि अभी इस राशि में है
मीन
चंद्र से 4वाँ

अगली साढ़े साती
दिसंबर 2043 – फरवरी 2052

इस तिथि के अनुसार
5 नवंबर 2026

विंशोत्तरी दशा

वर्तमान महादशा
मंगल
मार्च 2022 – फरवरी 2029

वर्तमान अंतर्दशा
केतु
अगस्त 2026 – जनवरी 2027

जन्म के समय शेष दशा
शुक्र
15 वर्ष 9 माह 17 दिन

वर्तमान दशा 5 नवंबर 2026 के अनुसार है।

इस निःशुल्क कुंडली में क्या नहीं है

- फलादेश - इन स्थितियों का आपके लिए क्या अर्थ है।
- तारीखों वाली समय-रेखा: कौन से वर्ष महत्वपूर्ण हैं और हर अवधि किस बारे में है।
- उपाय, रत्न मार्गदर्शन, और कुंडली के योग, बल तथा सावधानियाँ।
- संपूर्ण विंशोत्तरी तालिका - हर महादशा और अंतर्दशा, तिथियों सहित।

ये सब सशुल्क कुंडली रिपोर्ट में मिलते हैं। यह निःशुल्क कुंडली केवल गणना है - वही गणना जिस पर सशुल्क रिपोर्ट भी बनती है।

महत्वपूर्ण सूचना

ज्योतिष एक पारंपरिक, आस्था पर आधारित विद्या है। यह रिपोर्ट आपकी जन्म कुंडली की व्याख्या आत्मचिंतन और मार्गदर्शन के लिए करती है; यह निश्चित घटनाओं की भविष्यवाणी नहीं है और पेशेवर सलाह का विकल्प नहीं है। स्वास्थ्य, कानूनी या आर्थिक विषयों में कृपया योग्य विशेषज्ञ से सलाह लें। इस रिपोर्ट की सभी ग्रह स्थितियाँ और तिथियाँ स्विस एफेमेरिस (लाहिरी अयनांश) से गणना की गई हैं।

गणना स्विस एफेमेरिस से: निरयन राशिचक्र, लाहिरी अयनांश 23.7225°, संपूर्ण-राशि भाव पद्धति, मध्यम राहु/केतु।

इस PDF का हर मान गणना से आया है। इसमें कुछ भी AI ने नहीं लिखा।

कर्मण्येवाधिकारस्ते

“कर्म पर ही तुम्हारा अधिकार है” — भगवद्गीता 2.47

इसी भाव में: ज्योतिष केवल मार्गदर्शन देता है; निर्णय और परिश्रम आपके हाथ में है।